धनलक्ष्मी सोसायटी, अहमदाबाद में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सानंद संपन्न

श्रेयांश धमसैया, अहमदाबाद । नगर के धनलक्ष्मी सोसायटी, ओढ़व स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज अहमदाबाद द्वारा आयोजित श्री शांतिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ दि. 20 जनवरी से 25 जनवरी तक गिरनार उपसर्ग विजेता मुनिश्री 108 प्रबलसागरजी महाराज व निर्देशन पं. श्री सुधीर मार्तण्ड (उदयपुर) के सान्निध्य में सानंद संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गर्भकल्याणक पूर्व विधि, उत्तरविधि की क्रियाओं को अनूठे तरीके से दिखाया गया। जन्म कल्याणक के दिन श्रीजी की पालकी, चार गजराज, पांच बग्गी, दो अश्व, दो बैण्ड व हजारों की संख्या में समाज श्रेष्ठी, विधायक, पार्षद व गणमान्य महानुभाव, ब्र. सुनीलजी व श्रावक भक्तगण की उपस्थिति में पाण्डुकशिला हरिगंगा सोसायटी में कलशाभिषेक किया गया। तप कल्याणक भी अद्भुत उत्साह के साथ मनाया । केवल ज्ञान कल्याणक पर सभी श्रावक ज्ञानरुपी गंगा से लाभांवित हुए। मोक्ष कल्याणक का अद्वितीय-अद्भुत दृश्य बड़ी खूबसूरती से पेश किया, उपस्थित समाजजनों को मोक्षकल्याणक का एहसास करवाया – सभी ने करतल ध्वनि से विशाल पांडाल को गुंजायमान किया। विशाल रथयात्रा, नगर फेरी कर शुभ मुहूर्त में जीर्णोद्धारित मंदिरजी में 1008 श्री आदिनाथजी, श्री भरतजी, श्री मुनिसुव्रतनाथजी की मनमोहक विशाल प्रतिमाओं को नूतन आकर्षक वेदी पर जयघोष के साथ विराजमान किया गया ।

पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता पं. संतोषलाल-सवितादेवी, सौधर्म इन्द्र श्री जिनेन्द्रकुमार-जैनमती बेन, धनकुबेर इन्द्र श्री संतोषकुमार-साधनाबेन, महायज्ञनायक श्री संतोषकुमार-किरणमाला, ईसान इन्द्र श्री विजयकुमार-अंगूरीबेन, सानत इन्द्र सिं. सोमचंद-किरणबेन, माहेन्द्र इन्द्र श्री शैलेश-नीलमबेन, ब्रह्मेन्द्र इन्द्र श्री राजकुमार-ममताबेन, लांतवेन्द्र इन्द्र श्री मनोजकुमार-ममताबेन, शुक्रेन्द्र इन्द्र श्री अजीतकुमार-सरोजबेन, सतारेन्द्र श्री ज्ञानचंद-गजराबेन, आनतेन्द्र इन्द्र श्री मुकेशकुमार-वसुबेन, प्राणतेन्द्र इन्द्र श्री संतोषकुमार-मनोरमाबेन, आरणेन्द्र इन्द्र श्री भरतकुमार-भावनाबेन, अच्युतेन्द्र इन्द्र श्री सुनीलकुमार-किरणबेन, पूजन द्रव्य प्रदाता श्री रुपेशकुमार-ज्योतिबेन, ध्वजारोहणकर्ता श्री किशनलाल-विमलाबेन (अजय टेनामेंट), मंगल कलश स्थापनाकर्ता श्री नरेन्द्रकुमार-इन्द्राबेन, मंच उद्घाटनकर्ता श्री आलोककुमार-ज्योति बेन, सुमित राजा प्रथम आहारदाता श्री मुकेशकुमार-अलकाबेन थे।

प्रतिदिन नित्य पूजा, अभिषेक, शांतिधारा, जाप, विधान रात्रि में महामंगल आरती शानू एण्ड पार्टी (महुआ) द्वारा हुई। बाहर से आये भक्तगण को ठहरने व भोजन की उत्तम व्यवस्था थी। कार्यक्रम के दौरान रत्नों की वर्षा के साथ कुदरती बारिश रत्नों की भी वर्षा हुई। सभी ने संपूर्ण पंचकल्याणक का भरपूर आनंद व क्रियाओं को समझा कि पाषाण से भगवान कैसे बनते है ? कार्यक्रम को पारस चैनल के माध्यम से संपूर्ण विश्व में प्रसारित भी करवाया गया।

इस पंचकल्याणक से सन् 1984 में संपन्न गोमतीपुर के प्राचीन मंदिर की पंचकल्याणक की यादें ताजी हो उठी । दोनो पंचकल्याणक अद्वितीय थे । इस पंचकल्याणक के अध्यक्ष श्री जिनेन्द्रकुमारजी 'दुमदुमा', उपाध्यक्ष श्री राजकुमारजी, महामंत्री श्री श्रेयांस धमसैयाजी, कोषाध्यक्ष श्री महेन्द्रकुमारजी, महिला मंडल, युवा मंडल व हर उम्र के महानुभावों ने अपना श्रम लगाकर कार्यक्रम को सफलता की चरम सीमा तक पहुंचाया । धनलक्ष्मी-हरिगंगा सोसायटी व आस पास के क्षेत्रों के श्रावकों ने तथा अजैनों ने भी अपना तन-मन-धन से सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया । समस्त कमेटी उपस्थित अनुपस्थित श्रावकों का व अन्य सभी का आभार व अभिनंदन व्यक्त करती है ।

1008 श्री सिद्धचक्र मंडल विधान का भव्य आयोजन

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन । सिद्धक्षेत्र श्री पावागिरी (पवाजी) पर दि. 21 मार्च से 29 मार्च तक अनंतानंत सिद्ध भगवंतों की आराधना करने के लिए श्रीमती किरण डॉ. सुभाष जखौरिया भोपाल एवं श्रीमती आशा संतोष जखौरिया विदिशावालों के द्वारा 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसका विधि विधान बाल ब्र. श्रद्धेयश्री अशोक भैयाजी, अनुमति त्याग प्रतिमाधारी उदासीन आश्रम, इन्दौर एवं सहयोग डॉ. महेन्द्र जैन बिस्किुट विदिशावालों द्वारा किया जायेगा। इसमें संगीतकार श्री अहमेन्द्र जैन गंजबासौदा रहेंगे।

विधान के दौरान दि. 22 से 29 मार्च को मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ एवं 23 मार्च को चौबीसी के मूलनायक श्री चन्द्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक संपन्न कराया जायेगा। इसके साथ ही 24 मार्च को भगवान अजितनाथ का एवं 25 मार्च को भगवान संभवनाथ के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष में निर्वाण लाडू चढ़ाया जावेगा। विधान में परम पूज्य मुनिश्री अभयसागर एवं मुनिश्री पूज्यसागरजी के सानिध्य प्राप्त होने की संभावना है। धर्म की गंगा में आव्हान हेतु सपरिवार पधारकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करें ।

बुन्देलखण्ड यात्रा हेतु उपयोगी सी.डी. व गाईड उपलब्ध

बुन्देलखण्ड एक ऐसा क्षेत्र है जहां के कण-कण में ऊर्जा समाई हुई है। यहां के तीर्थ जहां हमारी प्राचीन विरासत की अपूर्व धरोहर है वहीं इस भूमि को संभवत: सर्वाधिक दिगम्बर मुनि, आर्यिका, त्यागियों के साथ देश के सर्वाधिक विद्वान सुलभ कराने का गौरव भी प्राप्त है। इन सबका कारण निश्चित रुप से यहां की संस्कारवान माटी और वहां खड़े गगनचुम्बी जिनालय भी है। बुन्देलखण्ड के छोटे से छोटे ग्राम में भी भव्य जिनालय स्थित है वहीं अनेक अतिशय क्षेत्र स्थित है तो सिद्धक्षेत्रों की भी कमी नहीं है। फलहोड़ी, बडागॉव, आहारजी, द्रोणगिरी, सोनागिरजी, नैनागिरी (रेशंदीगिरी) के साथ विश्व पर्यटन केन्द्र खजुराहो, बड़े बाबा की पावन भूमि कुण्डलपुर (दमोह) पुरातत्व की अपूर्व धरोहर देवगढ़, पपौराजी, पटेरियाजी (गढ़कोटा) आदि ऐसे तीर्थ है, जो जैनत्व के प्रति हमें गौरव व हमारे आराध्यों व पूर्वजों के प्रति सहज श्रद्धा उत्पन्न कराने में सहायक होते है। विगत कुछ वर्षों पहले ये तीर्थ सुविधाओं के नाम पर पिछड़े माने जाते थे, लेकिन आज सभी तीर्थों पर अत्याधुनिक आवास, भोजन आदि सुविधाओं का समुचित प्रबंध है। उत्तरांचल दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा बुन्देलखण्ड की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष प्रयास किए गए है। अध्यक्ष शैलेश जैन ने 32 तीर्थों की एक गाईड पुस्तक 'बुन्देलखण्ड जैन तीर्थ दर्शन' प्रकाशित की है साथ ही दैनिक विश्व परिवार झांसी के प्रवीण जैन ने बुन्देलखण्ड तीर्थ वंदना की वीडियो सी.डी. बनाई है जो बुन्देलखण्ड के तीर्थों की यात्रा के प्रति सहज आकर्षण उत्पन्न करती है। इच्छुक समाजजन सी.डी. व पुस्तक निम्नांकित पते पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

शैलेन्द्र जैन अध्यक्ष, उत्तरांचल दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी, 'आस्था' 195, आवास विकास सासनी गेट, अलीगढ़ (उ.प्र.) 202001, मो.: 09412272577, ईमेल udjtc@live.com Website : www.udjtc.org झांसी से संपूर्ण बुन्देलखण्ड यात्रा हेतु टेम्पो ट्रेवलर हेतु कमेटी के **कार्याध्यक्ष प्रवीण जैन झांसी** 09450071632 पर संपर्क किया जा सकता है।